[श्री राम प्यारे पानिका]

इस वर्ष भी इन तीनों प्राकृतिक आपदाओं बाढ़, सूखा और ओला का भयंकर प्रकोप होने के कारण मिर्जापुर की जनता अप्रत्याशित कठिनाई में पड़ गई है, परन्तु केन्द्रीय सरकार के स्पष्ट आदेश होने के बावजूद जनता को राहत पहुंचाने के लिए राहत कार्यों का अभाव है और सरकार की निर्धारित नीति के अनुसार प्रत्येक न्याय-पंचायत में राशन वितरण की भी सुदृढ़ व्यवस्था के अभाव में जनता भुखमरी के कगार पर खड़ी हो गई है। अधिकांश आदिवासी, हरिजन, खेतिहर मजदूर काम के अभाव में जहां एक ओर भुखमरी का सामना कर रहे हैं, वहां पर इस जनपद का किसान लगातार उपर्युक्त प्राकृतिक आपदाओं के कारण परेशान है और उसकी स्थिति दयनीय हो चुकी है। ऐसी स्थिति में सरकार कड़ाई से वसूली करा रही है और किसान का खेत तथा अन्य सम्पत्तियों की कुर्की हो रही है, फलस्वरूप पूरे जनपद में हाहाकार मचा हुआ है, इसलिए मैं सरकार का ध्यान उपर्युक्त समस्याओं को देखते हुए निम्न व्यवस्था करने की ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं :—

1. केन्द्रीय सरकार प्रदेश सरकारों को, भुखमरी से बचाने के लिए प्रत्येक न्याय पंचायत में अनिवार्य रूप से एक राहत का कार्य खोलने का निर्देश दे और यदि प्रदेश सरकार साधनों के अभाव में राहत कार्य शुरू करने में असमर्थ हो तो केन्द्रीय सरकार राहत कार्य खोलने के लिए पूरी सहायता दे।

2. विकास कार्यों को अविलम्ब चालू किया जाए जिससे लोगों को रोजगार मिल सके।

3. किसानों पर हो रही वसूली की कार्यवाही अगली फसल आने तक रोक दी जाए और लगान माफ किया जाए।

4. जानवरों के लिए भूसे का प्रबन्ध किया जाए तथा पीने के पानी की व्यवस्था की जाए।

उपाध्यक्ष महोदय, इसमें प्रिन्ट होने में कुछ छूट गया था इसलिए मैंने उसको जोड़ कर पढ़ दिया है।

(ii) RESTORATION OF WORK OF CENTRALSATION OF RUPEE TRAVELLERS CHEQUE AND RECONCILIATION WORK AT CALCUTTA

SHRI NIREN GHOSH (Dum Dum): Sir, since Imperial Bank was transferred into State Bank of India and its headquarters transferred from Calcutta to Bombay, the accounting and reconciliation work connected with Rupee Travellers Cheque was centralised at Calcutta in two offices of the State Bank of India, viz., Calcutta Main branch and the connected work was being handled by a manpower of nearly 90 persons. A variable deposit to the tune of Rs. 30 crores used to be maintained on account of Rupee Travellers cheque at Calcutta Main branch which counts for Banks' deposits in Calcutta. During the last decade, use of Rupee Travellers cheque has increased enormously and the management deliberately allowed the Rupee Travellers cheque accounting and reconciliation work to be accumulated by not increasing the staff strength in commensurate with the increased volume of work. Now the Bank has shifted the work entirely outside Bengal circle of Bombay and to process the work through computer although the entire work can be handled manually. The employment potential will go down and the shifting will cause financial loss to the State of West Bengal. Perhaps, the management decided to shift the work in the name of centralisation but with available infrastructural facilities and job know-how the entire work can be centralised at Calcutta itself.

I, therefore, demand that the entire work of Rupee Travellers cheque and

reconciliation work be concentrated at Calcutta. I hope that my demand for centralisation of Rupee Travellers cheque and the reconciliation work at Calcutta would be heeded to.

(iii) MONETARY ASSISTANCE TO DROUGHT AFFECTED FARMERS FOR IRRIGATION PURPOSES.

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (Panskura): Sir, due to severe drought this year and the apprehension of insufficient rain next year, the question of irrigation has drawn the added attention of the country and has assumed tremendous national importance.

One of the important means of making water available for Agriculture to small and marginal farmers is to help them in installation of shallow tube-wells for utilising ground water.

Due to the poor economic condition of these groups of peasants, they have to depend heavily on institutional finance and government subsidy, because the cost of shallow tube-wells is substantial. For example, Rs. 8000/- to Rs. 10,000/- per tube well in West Bengal, which is quite beyond the private means of the small and marginal farmers.

In view of this situation in most parts of the country, it has become essential that the Government of India's present arrangement in this respect is altered.

In the Irrigation Ministers' Conference held at Madras, this point was raised.

The Minister for Minor Irrigation in West Bengal Government urged the Union Government to grant 25 per cent subsidy for medium farmers and 50 per cent subsidy for small and marginal farmers for installing shallow tube-wells.

I urge the Minister for Irrigation and the Minister for Agriculture to come to a positive decision in this respect so that this subsidy is given to the farmers and instructions to that effect are sent to the State Government in this respect.

(iv PAYMENT OF ARREARS OF WAGES TO WORKERS OF SHIVALIK CELLULOSE LIMITED, GUJRAOLA, MORADABAD (UP)

श्री चन्द्रपाल सिंह (अमरोहा) : उपाध्यक्ष महोदय, शिवालिक सैल्यूलोज लिमिटेड गजरौला, जनपद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, जिसकी कागज क्षमता उत्पादन क्षमता 30 टन प्रतिदिन है, का निर्माण कार्य 1975-76 ई० में बहुत ही उपजाऊ भूमि पर नाजायज कब्जों द्वारा किया गया है । इस मिल में कागज का उत्पादन सन् 1979 से शुरू हो गया था । मिल में लगभग 500 मजदूर कार्यरत हैं । श्रमिकों ने कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से मिल का निर्माण एवं उत्पादन किया । मशीनें पुरानी एवं कमजोर होने की वजह से कई श्रमिकों के शारीरिक अंगों को क्षति हो चूकी है । लेकिन अभी तक मिल मालिकों एवं प्रबन्धकों द्वारा इम श्रमिकों की कोई आर्थिक सहायता नहीं की गई है ।

अफसोस एवं खेद का विषय है कि इस मिल में कागज का उत्पादन दिनांक 21 मार्च, 1982 से मिल मालिक एवं प्रबन्धकों द्वारा अचानक बन्द कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप विगत सितम्बर महीने से कार्यरत करीब 400 श्रमिकों को वेतन भुगतान नहीं किया गया है और इनके परिवारों की स्थिति अत्यन्त सोचनीय एवं गम्भीर आर्थिक संकट में हैं । मजदूर विवश होकर 19 जनवरी 1983 से लगातार भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं ।

अत: इस सदन के माध्यम से सरकार से साग्रह निवेदन है कि अविलम्ब